इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 19 अगस्त 2023

ब्रह्मज्ञानी को स्वर्ग तृण है,
शूर को जीवन तृण है, जिसने
इंद्रियों को वश में किया उसको
स्त्री तृण-तुल्य जान पड़ती है,
निस्पृह को जगत तृण है
-चाणक्य

वर्ष 15 अंक 342 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 34.8°C (+1.9) न्यूनतम 26.6°C(+1.1) सेंसेक्स 65,948.66 (-202.36) निफ्टी 19,310.15 (-055.10) सोना 59,170 चांदी 73,500 मुद्रा - डालर 83.17 दिरहम 22.64 रियाल 22.18

एरा यूनिवर्सिटी में बौद्धिक संपदा अधिकार पर हुई कार्यशाला

लखनऊ (ब्यूरो)। बौद्धिक संपदा अधिकार जागरुकता पर एरा यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला 17 अगस्त को सुबह साढ़े ग्यारह बजे आयोजित की गई थी।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता प्रतिष्ठित महिला वैज्ञानिक और एनआईपीएएम -टीआईएफएसी की समन्वयक श्रीमती फरहा बानो ने राष्ट्र के भीतर बढ़ती बौद्धिक पूंजी पर केंद्रित बौद्धिक संपदा जागरुकता पर एक ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया। श्रीमती बानो ने बौद्धिक संपदा को पहचानने और उसकी सुरक्षा करने के सर्वोपरि महत्व को रेखांकित किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्माता इसका उचित लाभ उठा सकें।

सत्र संवादात्मक था जिसमें श्रीमती बानो ने संकाय सदस्यों और छात्रों से समान रूप से पूछताछ की। सत्र की अध्यक्षता एमेरिटस प्रोफेसर शेर अली ने की। इसमें एरा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. अनु चंद्रा, यूनिवर्सिटी की सहायक रजिस्ट्रार डॉ. गज़ाला ज़ैदी, एरा कालेज आफ फार्मेसी की प्रिंसिपल डॉ. मोहिनी चौरसिया एवं डॉ. कहकशां परवीन, प्रमुख खाद्य एवं पोषण विभाग सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यशाला में 200 से अधिक संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यशाला ने अकादमिक और अनुसंधान समुदाय पर अमिट प्रभाव छोड़ते हुए बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में काम किया।